बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 20 ● नई दिल्ली ● सोमवार 27 अक्तूबर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी बलराज को हरविन्द्र कल्याण ने किया शॉल ओढ़ाकर सम्मानित, उज्ज्वल भविष्य की कामना की

चण्डीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने आज घरौंडा हलका के गांव कैमला में एशियन रोइंग चैम्पियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाले बलराज पंवार को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बलराज ने खेल जगत में देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है। इसके लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी वे इसी प्रकार प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए नई बुलंदियों को छुएंगे।

राहुल गांधी का बीजेपी पर वार, महाराष्ट्र की महिला डॉक्टर की आत्महत्या को बताया 'संस्थागत हत्या'

नई दिल्ली।

यह डॉक्टर महाराष्ट्र के बीड जिले की रहने वाली थीं और सतारा जिले के फल्टन में सरकारी अस्पताल में तैनात थीं। गुरुवार रात उन्हें एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया। डॉक्टर ने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने पर कई बार दुष्कर्म करने और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बंकर पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की महिला सरकारी डॉक्टर की आत्महत्या को संस्थागत हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना भाजपा सरकार की अमानवीय और असंवेदनशील कार्यप्रणाली को उजागर करती है।

यह डॉक्टर महाराष्ट्र के बीड जिले की रहने वाली थीं और सतारा जिले के फल्टन में सरकारी अस्पताल में तैनात थीं। गुरुवार रात उन्हें एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया। डॉक्टर ने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने पर कई बार दुष्कर्म करने और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बंकर पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। राहुल गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखा महाराष्ट्र के सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न से तंग आकर डॉ. संपदा मुंडे की आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज को अंतरात्मा को झकझोर देने वाली जरूरी है। एक होनहार डॉक्टर बेटी, जो दूसरों का दर्द मिटाने की आकांक्षा रखती थी, भ्रष्ट सत्ता और तंत्र में बैठे अपराधियों की प्रताड़ना का शिकार बन गई। जिसे अपराधियों से जनता की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी, उसी ने इस मासूम के खिलाफ सबसे घिनौना अपराध किया - उसके साथ बलात्कार और शोषण किया।

उन्होंने आगे लिखा कि रिपोर्ट्स के अनुसार, बीजेपी से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों ने उस पर भ्रष्टाचार का दबाव डालने की कोशिश भी की। सत्ता संरक्षित आपराधिक विचारधारा का ये सबसे घिनौना उदाहरण है। वह आत्महत्या नहीं - संस्थागत हत्या है। जब सत्ता अपराधियों की ढाल बन जाए, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए, डॉ. संपदा की मौत इस बीजेपी सरकार के अमानवीय और संवेदनहीन चेहरे को उजागर करती है। हम न्याय की इस लड़ाई में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। भारत की हर बेटी के लिए - अब डर नहीं, न्याय चाहिए।

घटना के बाद कार्रवाई

पुलिस ने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने शनिवार को आत्मसमर्पण किया। सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बंकर को भी पुणे से पकड़ा गया है। दोनों पर दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज है। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि डॉक्टर ने कई बार उत्पीड़न की शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों ने आरोप लगाया कि फल्टन के कुछ राजनीतिक लोग मेडिकल रिपोर्ट बदलवाने का दबाव डालते थे। शुक्रवार रात डॉक्टर का अंतिम संस्कार बीड जिले के वडवनी तहसील में किया गया। परिजन आरोपियों के लिए फांसी की सजा की मांग कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव का वक्फ कानून पर बड़ा बयान, कहा- सरकार बनी तो इसे कूड़ेदान में फेंक देंगे

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कटिहार में वक्फ कानून को लेकर बड़ा बयान दे दिया है।

चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर राज्य में महागठबंधन की सरकार बनी, तो केंद्र सरकार द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि मेरे पिता लालू प्रसाद यादव ने कभी भी सांप्रदायिक ताकतों से समझौता नहीं किया। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा ऐसी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं। आज आरएसएस और उसके सहयोगी बिहार में भी नफरत फैला रहे हैं।

भाजपा का असली नाम 'भारत जलाओ पार्टी' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है, तो वक्फ एक्ट को खत्म कर दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि बिहार की जनता 20 साल पुराने नीतीश कुमार शासन से थक चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अब होश में नहीं हैं। राज्य के हर विभाग में भ्रष्टाचार फैला है और कानून-व्यवस्था की हालत बदतर हो चुकी है। तेजस्वी ने सीमांचल क्षेत्र के विकास का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने सीमांचल क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया। अगर हमारी सरकार बनी, तो सीमांचल विकास प्राधिकरण का गठन किया जाएगा।सीमांचल में पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार जिले आते हैं, जहां मुस्लिम आबादी बड़ी संख्या में है। तेजस्वी ने दावा किया कि एनडीए उनकी चुनावी घोषणाओं की नकल कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाने का वादा किया था। अब नीतीश कुमार सरकार ने इसे 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया। मैं वादा करता हूं कि हमारी सरकार बनने पर पेंशन दो हजार रुपये प्रति माह कर दी जाएगी।

बंगाल की खाड़ी में तूफान मोन्था का मंडराता कहर, आंध्र, ओडिशा, तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में ठहर रहे चक्रवाती तूफान मोन्था के कारण भारत के पूर्वी तट पर भयानक असर पड़ने की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि यह तूफान 28 अक्टूबर की शाम या रात के दौरान आंध्र प्रदेश के तट पर काकीनाडा के पास मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच दस्तक दे सकता है।

तूफान की वर्तमान स्थिति

दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। आईएमडी के अनुसार, यह प्रणाली 26 अक्टूबर तक एक गहरे दबाव में और 27 अक्टूबर की सुबह तक चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की उम्मीद है।

इसके बाद यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रखेगा और तट पर दस्तक देने से पहले एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। 25 अक्टूबर की रात 11:30 बजे तक, यह पोर्ट ब्लेयर से लगभग 550 किलोमीटर पश्चिम और चेन्नई से 850 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में केंद्रित था।

रायों के कौन से इलाकों में खतरा

चक्रवात मोन्था के कारण पूर्वी तट के राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की आशंका है। 27 से 28 अक्टूबर तक, आंध्र प्रदेश के यनम और रायलसीमा के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना। आईएमडी ने 26 अक्टूबर को पूरे राज्य के लिए पीली चेतावनी जारी की है। 28 और 29 अक्टूबर को ओडिशा भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। गंजम, गजपति, रायगढ़, कोरापुट और मलकानगिरी जैसे जिले प्रभावित हो सकते हैं। हवा की गति 60-70 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है, कुछ क्षेत्रों में 80 किमी/घंटा तक भी पहुंच सकती है। 27 अक्टूबर को चेंगलपेट, कांचीपुरम और वेल्लोर में भारी बारिश हो सकती है, जबकि चेन्नई में भी भारी बारिश की संभावना है। प्रभावित इलाकों के निवासियों को सतर्क रहने, सुरक्षित स्थानों पर जाने और आधिकारिक चेतावनियों का लगातार पालन करने की सलाह दी गई है। तूफान के कारण तटीय बाढ़ और तेज हवाओं से नुकसान की आशंका है।

भत्ता बढ़ोतरी, पेंशन और बीमा का वादा; पंचायत प्रतिनिधियों को लेकर तेजस्वी की घोषणा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि यदि बिहार में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है, तो पंचायती राज व्यवस्था के निर्वाचित प्रतिनिधियों को दिया जाने वाला भत्ता दोगुना किया जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को 50 लाख रुपए का बीमा कवर और पेंशन भी प्रदान की जाएगी। बिहार में पंचायती राज व्यवस्था तीन स्तरीय है–जिला परिषद, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत। इनके प्रमुखों को क्रमशः 'अध्यक्ष', 'प्रमुख' और 'मुखिया' कहा जाता है। तेजस्वी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, अगर इंडिया गठबंधन को सत्ता में आने का जनादेश मिला, तो राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के डीलरों का मार्जिन मनी प्रति क्विंटल के हिसाब से भी काफी बढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि नाई, कुम्हार और बढ़ई समुदाय से जुड़े लोगों को राय सरकार की ओर से पांच लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

तेजस्वी से सुलह पर क्यों मजबूर हुए राहुल

त्रिदीब रमण

जाने ऐसा क्या हुआ जो राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के संबंधों में चकाचक इतनी तल्खी आ गई, वह भी ऐसे वक्त में जब बिहार चुनाव अपने पूरे उफान पर था। अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के मार्फत पूरे बिहार में घूम-घूम कर महागठबंधन के पक्ष में समां बांधने वाले राहुल गांधी और उनके धनुर्धर तेजस्वी यादव के बीच फोन पर क्या कहसुनी हो गई थी कि अचानक सोनिया गांधी को मोर्चा संभालना पड़ा और उन्होंने अपने विशेष दूत के तौर पर अशोक गहलोत को आनन-फानन में बिहार भेजा। विशेष सूत्र बताते हैं कि राहुल गांधी की तेजस्वी से नाराजगी इस बात को लेकर थी कि अब भी कई सीटों पर तालमेल का पेंच फंसा पड़ा था, राहुल चाहते थे कि तेजस्वी इस पर तुरंत निर्णय लें। वहीं दो जनता में वैसे भी इस बात को लेकर महागठबंधन की खूब फजीहत हो रही थी। तेजस्वी का अपना दर्द था, वे कम से कम तीन बातों को लेकर राहुल से बेतरह नाराज थे। नंबर 1, कांग्रेस तेजस्वी को महागठबंधन का 'सीएम फेस' घोषित करने में काफी देर कर रही थी। दूसरा, राहुल पप्पू यादव को हर जगह अपने साथ टांग-टांग क्यों घूम रहे हैं। तीसरा, क्या यह राहुल की जानकारी में है कि राज्य में कांग्रेस की टिकटों की बोलियां लग रही हैं और इस कार्य को कहीं तेज अंजाम दे रहे हैं जिन्हें राहुल का भरोसेमंद माना जाता है। दोनों नेताओं की बातचीत के दरम्यान कहते हैं कि तल्खी इतनी बढ़ गई थी कि तेजस्वी ने यह कहते हुए फोन रख दिया कि अगर सचमुच ऐसा है तो कांग्रेस महागठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़ ले, राहुल को भी पता चल जाएगा कि बिहार में उनकी कांग्रेस कितनी जमीन पर है। राहुल को तेजस्वी से ऐसे व्यवहार की आशा नहीं थी। वे सीधे अपनी मां सोनिया गांधी के पास पहुंचे और उन्हें सारी वस्तुस्थिति से अवगत कराया।

जब सोनिया बनीं संकटमोचक

कहते हैं सोनिया ने राहुल को ढांढस बंधाते हुए कहा कि वह बिल्कुल भी परेशान न हों, कोई न कोई रास्ता तो जरूर निकलेगा। सूत्रों की मानें तो इसके बाद सोनिया ने सीधे लालू यादव को फोन लगा दिया और उनसे कहा कि हमारे राजनीतिक संबंध आज के नहीं हैं, ये 30-35 साल पुराने हैं। आज मौका है कि हम दोनों एक-दूसरे के काम आएं। हमारे बच्चों के बीच हुई एक छोटी सी तू-तू मैं-मैं से यह रिश्ता खत्म नहीं हो सकता है। लालू भी शायद ऐसे ही किसी मौके की तलाश में थे, उन्होंने भी सोनिया के समक्ष खुल कर अपनी भड़ास निकाली। लालू ने कहा कि जो पप्पू यादव हमारा इतना नुकसान कर रहा है, आपके परिवार ने उन्हें कंधे पर बिठा रखा है। आपने और राहुल जी ने ऐसे लोगों के हाथों बिहार की जिम्मेदारी सौंपी हुई है जो यहां का एबीसी नहीं जानते। जिन लोगों को चिराग ने टिकट देने से मना कर दिया था वे लोग दो दिन पहले कांग्रेस में आकर पार्टी का टिकट पा रहे हैं। लोग तो यहां यह भी कह रहे हैं कि आपके ही लोग ऊंचे दामों पर कांग्रेस का टिकट बेच चुके हैं। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू को लेकर भी लालू यादव को बड़ी नाराजगी थी। इसके बाद सोनिया और लालू में इस बात को लेकर सहमति बनी कि सोनिया किसी सीनियर कांग्रेसी नेता को पटना भेजेंगी जो सीधे अहम निर्णय लेने को अधिकृत होगा।

तब अशोक गहलोत की याद आई

सोनिया व राहुल ने तब काफी विचार-विमर्श के उपरांत यह निर्णय लिया कि मौजूदा हालात को हैंडल करने के लिए अशोक गहलोत ही सबसे उपयुक्त पात्र होंगे। इसके बाद ही आनन-फानन में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तलब किया गया। गहलोत ने पटना रवाना होने से पहले सोनिया के समक्ष बस इतनी सी शर्त रख दी कि जो भी उन्हें दिशा-निर्देश देने हैं वे अभी ही दे दिए जाएं, वहां उनका फोन पर लालू के सामने बैठ कर सोनिया या राहुल को फोन कर उनसे आगे का निर्देश लेना अच्छा नहीं लगेगा। सोनिया ने फौरन इस बात के लिए हामी भर दी और गहलोत पटना के लिए उड़ गए, जहां एक बंद कमरे में उनकी लालू के साथ एक लंबी बातचीत हुई। इस पूरी बातचीत में गहलोत के साथ कांग्रेस का कोई अन्य नेता शामिल नहीं था। कहते हैं लालू ने मूलतः इस बैठक में अपनी ओर से दो प्रमुख मांगें रखीं एक-तत्काल प्रभाव से तेजस्वी को महागठबंधन का 'सीएम फेस' घोषित किया जाए। दूसरा-कृष्णा अल्लावरू को बाहर का दरवाजा दिखाया जाए। लालू की बातों पर ही अमल करते हुए, अपनी प्रेस कांफ्रेंस में गहलोत ने तेजस्वी को महागठबंधन का सीएम फेस और 'वीआईपी' के मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम फेस घोषित कर दिया।

सहनी का दांव राहुल ने अपनी ओर से चला था ताकि राज्य के 34 लाख से ज्यादा मल्लाह वोटरों में महागठबंधन के पक्ष में एक उम्मीद जगाई जा सके। कांग्रेस यह भी चाहती थी कि राजेश राम को डिप्टी सीएम फेस घोषित किया जाए, पर लालू की राय थी कि किसी मुस्लिम चेहरे पर यह दांव लगाना ज्यादा मुफीद होगा। सो, दूसरे डिप्टी सीएम के नाम पर पेंच फंसा ही रह गया। इधर दिल्ली में आनन-फानन में अल्लावरू को भारतीय युवा कांग्रेस के इंचार्ज के पद से हटाने की घोषणा कर दी जाती है, उनकी जगह मनीष शर्मा को यह जिम्मेदारी दे दी जाती है, यह पूरा उपक्रम बस लालू को खुश करने के लिए ही था।

घर का भेदी अररिया ढाहे

टिकट बंटवारे के बाद सिर्फ महागठबंधन में ही क्यों एनडीए में भी उतना ही घमासान मचा हुआ है। भगवा बागी जगह-जगह मैदान में हैं। कहते हैं उन्हें दल के लोगों से ही हवा मिल रही है। सो, बगावत की चिंगारी जगह-जगह सुलग रही है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अपने बिहार प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान को यह महती जिम्मेदारी सौंपी है कि वे इन बगावती तेवरों पर पानी डालें, बागियों को समझाएं-बुझाएं, जरूरत हो तो आंखें भी दिखाएं। धर्मेंद्र प्रधान की सबसे ज्यादा मशक्कत अररिया के भाजपा सांसद प्रदीप सिंह के बेहद करीबी माने-जाने वाले अजय झा को समझाने में करनी पड़ रही है। अजय झा न सिर्फ सांसद महोदय के बेहद करीबियों में शुमार होते हैं, बल्कि वे पेशे से एक ठेकेदार हैं जो एरिया के बेहद संपन्न व्यक्तियों में गिने जाते हैं। समझा जाता है कि वे अपने धन-बल के साथ सांसद महोदय की सेवा में हमेशा तत्पर रहे हैं। उनकी हमेशा से एक राजनीतिक महत्वाकांक्षा भी रही है, जिसे सांसद महोदय ने भी खाद-पानी देने का काम किया है। इस बार वे भाजपा टिकट के लिए फारबिसगंज या नरपतगंज विधानसभा सीट के दावेदार थे। फारबिसगंज की सीट फिलवक्त भाजपा के पास है, यहां के विधायक विद्यानंद केसरी उर्फ मंचन केसरी का टिकट कटना यहां से तय माना जा रहा था। सांसद महोदय ने भी शीर्ष को यही फीडबैक दिया था कि विधायक के खिलाफ यहां 'एंटी इंकमबेंसी' बहुत है, सो अजय झा भी किसी उपयुक्त मौके की तलाश में थे, पर मंचन केसरी अपनी संघ की पृष्ठभूमि का फायदा उठाकर यहां मंच सजा गए। सांसद इतने नाराज हुए कि अपने विधायक के नामांकन में भी वे नहीं पहुंचे। इधर उनके हनुमान झा ने बगावत का झंडा उठा लिया, कफन ओढ़ लिया।

और निर्दलीय नरपतगंज से पर्चा भी दाखिल कर दिया। भाजपा आलाकमान को भी अजय झा को समझाने-बुझाने में एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। फारबिसगंज और उसके आस-पास के इलाकों में सांसद भक्त हनुमान के खूब संपत्तियों के बटोरने के किस्से हवा में हैं। उनके हौसलों की बानगी देखिए कि वे इस क्रम में संघ के एक नेता से भी टकरा गए, संघ के यह नेता भी फारबिसगंज से ताल्लुक रखते हैं। इस केस में झा के खिलाफ संघ नेता ने भी एफआईआर दर्ज करा दी। मामला तूल पकड़ता देख सांसद महोदय ने भी दो कदम पीछे खींच लिए हैं।

और अंत में

अंदरखाने भी एनडीए में तूफान बरपा हुआ है। खासकर नीतीश कुमार के विरोधी तेवर भाजपा रणनीतिकारों को हैरानी में डाल रहे हैं। नीतीश को लग रहा है कि भाजपा व चिराग अंदरखाने से जद (यू) उम्मीदवारों के साथ भीतरघात कर सकते हैं, सो नीतीश ने भी अपने कैडर से पूरे चुनाव के वक्त चौकस रहने को कहा है। इससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि जदयू कैडर के वोट बमुश्किल ही भाजपा या चिराग के उम्मीदवारों को ट्रांसफर होंगे। चिराग की पार्टी की सीमा सिंह का पर्चा खारिज होने का दोष भी इनकी पार्टी वाले नीतीश के सिर ही मढ़ रहे हैं।

सम्पादकीय...

खरी-खरी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 80वें स्थापना दिवस के अवसर पर विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने जमकर खरी-खरी सुनाई। विदेशमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद के प्रति प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि जब सुरक्षा परिषद का एक सदस्य खुलेआम उस संगठन की रक्षा करता है जो पहलगाम जैसे बर्बर आतंकी हमलों की जिम्मेदारी लेता है तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर गहरा असर पड़ता है। आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को अधिक निंदनीय बना देता है जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठते हैं। विदेशमंत्री का अभिप्राय सुरक्षा परिषद द्वारा भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तोलने से था। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि आल इज नाट वेल यानि संयुक्त राष्ट्र में सबकुछ ठीक नहीं है। संयुक्त राष्ट्र संघ को 80 साल हो गए लेकिन उसके खाते में सफलताओं से ज्यादा विफलताएं ही हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र संघ के मौजूदा स्वरूप को बदलने और इसमें भारत को बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग करता आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार वैश्विक मंचों पर भारत की स्थायी सदस्यता के लिए आवाज बुलंद करते आ रहे हैं।सवाल यह भी है कि भारत सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए कब तक इंतजार करता रहेगा जिस वैश्विक शांति के लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की गई थी उस लक्ष्य से संगठन पूरी तरह से भटक गया है। आतंकवाद को लेकर सुरक्षा परिषद अभी भी कोई ठोस परिभाषा तय नहीं कर पाया। अगर सुरक्षा परिषद में जल्दी सुधार नहीं किए गए तो इसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के चार उद्देश्य हैं अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का संरक्षण करना, विभिन्न राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों का विकास करना, अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में सहयोग एवं मानव अधिकारों के प्रति सम्मान का संवर्धन और देशों की कार्रवाइयों के बीच तालमेल के केन्द्र के रूप में काम करना लेकिन इधर दो वर्षों से जारी रूस और यूक्रेन युद्ध एवं इजराइल एवं अरब राष्ट्रों के बीच सीमित युद्धों ने संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रामाणिकता एवं उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है, जहां तक संयुक्त राष्ट्र संघ के विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन में भारत के योगदान एवं भागीदारी का सवाल है तो आज भी भारत विकास एवं गरीबी उन्मूलन, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, निशस्त्रीकरण, मानवाधिकार और विश्व शांति स्थापना के प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र संघ का कंधे से कंधा मिलाकर साथ दे रहा है। 140 करोड़ आबादी के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश और एक उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति भी है। भारत की विदेश नीति ऐतिहासिक रूप से विश्व शांति को बढ़ावा देने वाले देश के रूप में रही है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्था की नीति निर्धारक सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता से भारत को वंचित तथा बाहर रखना अन्याय ही माना जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के समय से ही शांति मिशनों में भारत महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। अब तक विभिन्न शांति अभियानों में भारत के 180000 सैनिक हिस्सा ले चुके हैं। भारत ने 82 देशों के लगभग 800 शांति स्थापना अधिकारियों को प्रशिक्षित भी किया है। यूएन की विफलताओं का लंबा खासा इतिहास है। 1994 के रवांडा नरसंहार इसका दुखद उदाहरण है जहां यूएन शांति सेना के रहते भी 8 लाख लोग मारे गए। 2003 में अमरीका ने सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना इराक पर हमला किया जिसके परिणाम स्वरूप लाखों लोग मारे गए। सीरिया के गृहयुद्ध में सुरक्षा परिषद मूक दर्शक बनकर बैठी रही जिसमें 5 लाख लोग मारे गए, अगर देखा जाए तो वीटो वाले देशों ने इस संस्था का दुरुपयोग अपनी स्वार्थसिद्धी के लिए किया। कई शक्तिशाली देश संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित प्रस्तावों के विपरीत कार्य करते हैं और उनका अनादर करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन करने और उन्हें अपने हित में प्रयोग करने की प्रवृत्ति महाशक्तियों में भी देखी जाती है। संयुक्त राष्ट्र को पश्चिमी देशों के हाथों की कठपुतली माना जाता है। अगर सुरक्षा परिषद में कोई प्रस्ताव पारित करना है तो पूरी दुनिया को उसको मानना होगा। अमरीका संयुक्त राष्ट्र की शक्ति का आधार है। वह इसे अपनी मर्जी से चलाने की कोशिश करता है। इससे संयुक्त राष्ट्र की प्रामाणिकता को लेकर कई अनुत्तरित प्रश्न उठ खड़े हुए हैं और यह दुनिया की विडम्बना है कि जो दोषी है उसी पर कानून की रक्षा का भार है। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र के औचित्य के बारे में जो प्रश्न उठते हैं, इसके मूल में अन्य तत्व भी हैं। जैसे राष्ट्रों की गुटबाजी, अंतर्राष्ट्रीय भावना की कमी, वीटो का दुरुपयोग आदि। परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद भी अमेरिका समेत सभी ताकतवर देशों के पास परमाणु हथियार हैं। विश्व में हथियारों की दौड़ बढ़ती जा रही है। आतंकवाद, विस्तारवाद तथा वैश्विक व्यापार पर एक तरफा कब्जा करने की कोशिशें संयुक्त राष्ट्र के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। समय की नाजुकता को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र की कार्यशैली में सुधार के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे।संयुक्त राष्ट्र में सुधार न होने के चलते ही भारत ब्रिक्स और क्वाड जैसे वैकल्पिक मंचों की ओर बढ़ा है। सुधारों में पी 5 ने हमेशा ही रोड़े अटकाए हैं। अब यह संस्था पूरी तरह से अप्रासंगिक हो चुकी है। बेहतर यही होगा कि सुरक्षा परिषद के 5 देशों के वीटो के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जाए। सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का विस्तार किया जाए। भारत, ब्राजील, जर्मनी, जापान और अफ्रीकी देशों को उसमें शामिल किया जाए, यदि संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया के अनुरूप खुद को नहीं बदला तो यह केवल भाषण देने वालों का मंच बनकर रह जाएगा, वैसे भी इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का कोई महत्व नहीं रह है।

छठ महापर्व की जय

आश्विन-कार्तिक मास हमारे आध्यात्मिक कर्म की सबसे बड़ी पहचान है। अभी पिछले दिनों अहोई अष्टमी, धनतेरस, दिवाली, गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मा पूजा और भाईदूज का पर्व सफल हुआ है तो अब छठ पूजा का पवित्र त्यौहार आ गया है। 27 अक्तूबर को छठ पर्व की पूर्व संध्या और समापन तक इस त्यौहार को लेकर पूरी दिल्ली, देश और दुनिया में क्रेज है। यह बात अलग है कि हमारे बिहारी भाई-बहनों में इस पर्व के प्रति जो आस्था है वह निश्चित रूप से भगवान सूर्यदेव और उनकी बहन षष्ठी देवी से भी जुड़ा है। कहने का मतलब यह पर्व प्रकृति से भी जुड़ा है। इस दिन नहाये-खाये अर्थात खुद को शुद्ध रखना और फिर सात्विक भोजन करने के बाद शक्ति प्राप्त करते हुए कठिन व्रत रखना और छठ के इस पर्व पर डूबते सूर्य को पानी में उतरकर अर्घ्य देना और अगले दिन सूर्य की पहली किरणों से भगवान सूर्य देव के दर्शन करना और माता षष्ठी मईया का आशीर्वाद लेना यह सब इसके आध्यात्मिक बिंदु हैं जो इस पर्व को और भी पवित्र बनाते हैं। इस मौके पर व्रत बहुत कठिन होता है और 36 घंटे के व्रत को निर्जल उपवास माना जाता है। यह आत्मसंयम और श्रद्धा का व्रत है। भगवान सूर्यदेव की आराधना से सुख-समृद्धि और संतान प्राप्त होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पर्व की परंपरा त्रेता युग से चली आ रही है। माता सीता ने सबसे पहले इस व्रत को किया था। वे सूर्यवंशी भगवान श्रीराम की पत्नी थीं और सूर्यदेव की आराधना के निमित्त उन्होंने मुद्गल ऋषि के बताए अनुसार इस व्रत की शुरूआत की थी। उस समय यह छठ दो दिनों तक चलता था जिसे अब घटाकर चार दिनों तक किया जाने लगा है। माता सीता ने सबसे पहले यह व्रत मुंगेर और सरयू नदी के किनारे किया था। आज वही परंपरा हर घर में, हर घाट पर दोहराई जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे देश में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक अपने-अपने घर पहुंचने के लिए रेलवे स्टेशनों पर भीड़ का सैलाब उमड़ने लगता है लेकिन आज की तारीख में केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव और उनकी टीम ने जो क्राउड मैनेजमेंट किया है उसकी तारीफ की जानी चाहिए।

पिछले 15 दिन से वह सुबह और शाम नईदिल्ली और इससे जुड़े अनेक स्टेशनों का खुद दौरा करके लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं दिलाने के लिए सक्रिय हैं और बिहार जाने के लिए पहले की तुलना में तीन गुना ज्यादा ट्रेनें लगा चुके हैं। इसी कड़ी में दिल्ली की मुख्यमंत्री बहन रेखा गुप्ता के द्वारा किये गये प्रबंधन की जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है क्योंकि यमुना में पवित्र स्नान छठ महापर्व की एक परंपरा है। वह पिछले महीने से ही यमुना से जुड़े घाटों का दौरा कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि यमुना के जल को शुद्ध किया जा रहा है। यह सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है।

इतना ही नहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने पूरे कैबिनेट और दिल्ली के मेयर और उनकी टीम को सभी प्रमुख घाटों पर अच्छी व्यवस्था के आदेश दे रही हैं और इसके बाद खुद अपनी तमाम राजनीतिक व्यस्तताओं से ऊपर उठकर निरीक्षण भी करती रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि लोग सरकार द्वारा की जा रही तैयारियों से बहुत संतुष्ट हैं। मुझे खुद अनेक संगठनों ने छठ महापर्व पर कई घाटों पर पूजन के लिए बुलाया है। महापर्व की पवित्रता को देखते हुए मुझे भगवान सूर्यदेव और षष्ठी माता की कृपा दृष्टि प्राप्त हो रही है। मैं सबके लिए कामना करती हूं कि भगवान सूर्यदेव सब पर कृपा करें। हालांकि इस कड़ी में जहां-जहां घाट बने हुए हैं वहां-वहां ट्रैफिक कंट्रोल के लिए पुलिस की भी एक अहम भूमिका रही है और वह भी इसके लिए पूरी तैयारी के साथ डटी हुई है। त्यौहार की आस्था एक अलग बात है वह हमारे में उमंग भरती है लेकिन मेरा मानना है कि प्रबंधन भी उच्च स्तर का होना चाहिए ताकि कोई भी हादसा वगैराह न हो। इस मामले में मुझे प्रसिद्ध गायिका शारदा सिन्हा की याद आ रही हैजो छठ पर गाये हुए गीतों की बिहार कोकिला कहलाती हैं वो अब हमारे बीच नहीं हैं। हर घाट पर छठी मईया के उनके सुरीले गीत हमारी आस्था को और भी दर्शाते हैं। कुंभ हो, दशहरा हो, या बाजारों में किसी और मौके पर भीड़ हो या छठ जैसे महापर्वहो, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और घाटों पर कोई भी भगदड़ न मचे इसे लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार तथा अन्य राज्यों की सरकारें अपने-अपने यहां डटी हुई हैं और इस बार तैयारियां उच्च स्तर की हैं न सिर्फ यात्री घरों तक सुरक्षित पहुंचे बल्कि वे इस पर्व पर घाटों पर पूजा के दौरान हर सुविधाएं प्राप्त करते रहें यह काम सरकारों ने अच्छा किया है। छठी मईया और भगवान सूर्य हर किसी के जीवन में सुख समृद्धि लाए और जिस भावना से जिन भाई-बहनों ने कठिन व्रत रखा है प्रभु उनकी हर इच्छा पूर्ण करें लेकिन प्रशासन भी इस उच्च स्तरीय तैयारी के लिए बधाई का पात्र है। अब सरकार ने तो बहुत अच्छे इंतजाम कर दिए हैं अब हम सबको भी चाहिए पर्व का आनंद लें और अनुशासन का पालन करें। भगदड़ न मचे, सफाई का भी ध्यान रखें। पूरी आस्था और श्रद्धा से पर्व को मनाएं।

संघ केवल कहता नहीं करता भी है

कल्पना कीजिए- साल 1925, देश अंग्रेजी शासन की बेड़ियों में जकड़ा है और एक व्यक्ति, नागपुर की भूमि पर 17 लोगों के साथ यह संकल्प लेता है-मैं भारत की आजादी के साथ-साथ हिंदुओं का संगठन करूंगा। जो संघ की प्रारंभ की प्रतिज्ञा से स्पष्ट है मैं भारत को स्वतंत्र, समृद्ध और वैभवशाली राष्ट्र बनाने के लिए तन, मन, धन अर्पित करूंगा। उस समय यह विचार न किसी राजनीतिक नारे के रूप में था, न किसी विरोध के आंदोलन के रूप में, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का बीज था, जिसे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने बोया। आज, सौ वर्ष बाद वही बीज एक विराट वटवृक्ष का रूप ले चुका है-सेवा, संगठन, संस्कारों और समाज परिवर्तन के विस्तार के रूप में। डॉ. हेडगेवार ने केवल यह नहीं कहा कि समाज का संगठन होना चाहिए, बल्कि यह भी बताया कि यह कैसे संभव है। उन्होंने कोई भाषण या उपदेश मात्र नहीं दिया, बल्कि एक व्यवस्थित पद्धति तंत्र विकसित किया- शाखा। यह शाखा केवल शारीरिक व्यायाम का स्थान नहीं थी, बल्कि एक ऐसे राष्ट्रीय पुनर्जागरण का मंच थी जहां व्यक्ति में अनुशासन, देशभक्ति और सेवा का संस्कार पैदा किया गया। तीसरे सरसंघचालक बाला साहब देवरस के शब्दों में जहां हिंदू वहां शाखा, जहां शाखा वहां विजय। वह कहते थे शाखा महिलाओं की सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा की भावना की जीवंत अभिव्यक्ति है। एक घंटे की यह शाखा समय के साथ व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण की प्रयोगशाला बन गई। आज, जब संगठन अपने शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है तो यह देखना अत्यंत प्रेरणादायक है कि डॉ. हेडगेवार का स्वप्न केवल विचारों में सीमित नहीं रहा-वह व्यवहार में बदल चुका है। संघ ने अपने सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्पष्ट कहा है कि सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बनना है। अर्थात संघ का विचार प्रत्येक गांव बस्ती, व्यक्ति तक पहुंचे। इस लक्ष्य के लिए बनाई गई कार्य योजना भी उतनी ही व्यावहारिक है। हरियाणा दिसंबर 2025 में प्रत्येक घर (50,000 अधिक) तक संपर्क करना और फरवरी 2026 में हर मंडल (8 से 10 गांवों का समूह) व हर बस्ती (8/10 हजार आबादी) में हिंदू सम्मेलन' यह केवल आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। केवल कहा नहीं तो उसको योजना के परिणाम स्वरूप हरियाणा विजयदशमी पर सभी 257 नगरीय इकाइयों की 1443 में से 1398 बस्ती (97फीसदी) तथा ग्रामीण 882 में से 862 मंडल (98फीसदी) 6701 में से 4016 (60फीसदी) गांव के 84519 स्वयंसेवकों ने 2925 घोष वादक (आरएसएस बैंड), स्वयंसेवक परिवारों से 57065 (9886 महिला) तथा 1062 विशेष व्यक्तित्व-दर्शकों की उपस्थिति में 1111 कार्यक्रम सम्पन्न किए। हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में जहां किसान, सैनिक, खिलाड़ी और युवक-युवती ऊर्जा का प्रतीक हैं, वहां इस विचार का विस्तार समाज में नई चेतना जगाने का माध्यम बन रहा है। विजयदशमी जैसे पर्व पर जब शाखाएं, सम्मेलन और संवाद आयोजित हो रहे हैं तो यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि संघ के सौ वर्ष की दिशा में आत्ममंथन और आत्मनिवेदन है। भविष्य की योजनाओं का आधार है। विजयदशमी का प्रतीक सदैव धर्म की अधर्म पर विजय का रहा है- आज यह विजय है, असंगठन पर संगठन की, उदासीनता पर जागरूकता की और विघटन पर एकता एकात्मता-समानता-समरसता की।

भाजपा ने गोरखालैंड के मुद्दे को फिर हवा दी

अनिल जैन

अपने राजनीतिक फायदे के लिए विभाजनकारी मुद्दों को हवा देने में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। धार्मिक और सांप्रदायिक मुद्दों पर तो उसका शुरू से ही एकाधिकार रहा है, लेकिन मोदी-शाह के युग में वह क्षेत्रीय, भाषायी, जातीय आधार पर विभाजनकारी राजनीति की भी चैंपियन बन चुकी है। अगले साल अप्रैल में पश्चिम बंगाल विधानसभा का चुनाव होने वाला है और उससे पहले भाजपा ने ममता बनर्जी सरकार और उनकी पार्टी को छकाने के लिए एक बड़ा दांव चल दिया है। केंद्र सरकार ने अलग गोरखालैंड राज्य बनाने के मामले में अलग-अलग समूहों से बात करने के लिए वार्ताकार नियुक्त कर दिया है। ममता बनर्जी के लिए यह मामला बहुत अहम है, क्योंकि भाजपा अगर उत्तरी बंगाल के लोगों की भावनाओं को उभारती है तो चुनाव में उसे इसका फायदा मिल सकता है। इसीलिए ममता बनर्जी ने वार्ताकार नियुक्त करने का विरोध करते हुए कहा है कि इतने अहम मसले पर केंद्र ने बिना राज्य सरकार से सलाह मशविरा किया एक बड़ा कदम उठा लिया। केंद्र सरकार ने उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज सिंह को वार्ताकार नियुक्त किया है। वे अलग गोरखालैंड के साथ ही गोरखा समुदाय की 11 उपजातियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के मामले में अलग-अलग गोरखा समूहों से बात करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये दोनों मामले केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आते हैं लेकिन ऐसे मामलों में किसी भी वार्ता में राज्य सरकार एक पक्ष जरूर होती है। इसीलिए ममता ने वार्ताकार की नियुक्ति रद्द करने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है।

क्या प्रशांत किशोर ने मैदान छोड़ दिया है

बिहार में चुनाव की घोषणा होने से पहले तक टेलीविजन चैनलों ने प्रशांत किशोर को बढ़-चढ़ कर शेर की तरह प्रस्तुत किया, उन्हें बिहार के लिए एक नया विकल्प बता कर पेश किया। लेकिन चुनाव की घोषणा के बाद प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी मैदान छोड़ती दिख रही है। सोशल मीडिया पर उनका अभियान कमजोर हो गया है। पहले हजारों की संख्या में एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम हैंडल से प्रशांत किशोर की बातों को प्रचारित किया जाता था। कई तटस्थ दिखने वाले हैंडल भी प्रशांत किशोर के बारे में प्रोपेगेंडा चला रहे थे। प्रशांत खुद भी रोजाना मीडिया के सामने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते थे। लेकिन पिछले दो हफ्ते से उन्होंने यह सब बंद कर दिया है। जिन नेताओं को उन्होंने आर्थिक भ्रष्टाचार या आपराधिक मामलों में शामिल होने के लिए निशाने पर लिया उन्होंने नामांकन किया लेकिन प्रशांत किशोर ने किसी पर सवाल नहीं उठाया। हैरानी की बात है कि प्रशांत किशोर खुद चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और वे अपने किसी भी उम्मीदवार के नामांकन में नहीं गए। उनका दानापुर सीट का उम्मीदवार ऐन नामांकन के समय मैदान छोड़ कर भाग गया। मजबूरी में एक दूसरा उम्मीदवार उतारा गया, जिसका नामांकन खारिज हो गया। उनके कुछ अन्य उम्मीदवार भी मैदान से हटे हैं। बताते हैं कि प्रशांत किशोर को भी कहीं से कुछ संदेश आया, जिसके बाद वे शिथिल हो गए। इस मामले में भी उनके पूरे अभियान को एक बड़ी साजिश के साथ जोड़ कर देखा जा रहा है और उन पर सवाल उठ रहे हैं।

कृत्रिम बारिश नहीं करा पाई दिल्ली सरकार

पहले से इस बात का अंदाजा था कि दिल्ली की भाजपा सरकार कृत्रिम बारिश के नाम पर सिर्फ हवाबाजी कर रही है। सोचने वाली बात है कि जुलाई-अगस्त के महीने में जब खूब बारिश हो रही थी उस समय दिल्ली सरकार ने कृत्रिम बारिश का फैसला कर तारीख भी तय कर दी गई थी। लेकिन जब चारों तरफ से इसका विरोध हुआ और कहा गया कि जब मानसून की बारिश हो रही है तो ऐसे में कृत्रिम बारिश का क्या मतलब है। तब जाकर दिल्ली सरकार ने फैसला टाला और कहा कि दिवाली के बाद प्रदूषण बढ़ने पर कृत्रिम बारिश कराई जाएगी। लेकिन दिवाली के बाद अब सरकार कह रही है कि वह कृत्रिम बारिश नहीं करा सकती, क्योंकि उसके लिए आकाश में प्राकृतिक बादल का होना जरूरी है। सवाल है कि क्या यह बात दिल्ली सरकार को पहले मालूम नहीं थी अगर मालूम थी तो क्या वह यह मान रही थी कि दिवाली के अगले दिन या उसके आगे के दिनों में दिल्ली के आकाश में बादल छाए रहेंगे अगर वह ऐसा सोच रही थी तो इससे बड़ी मूर्खता क्या हो सकती है कि कोई मानसून की वापसी के तुरंत बाद कार्तिक के महीने में बादल छाने के बारे में सोचे! जाहिर है कि मानसून के समय भी दिल्ली सरकार कृत्रिम बारिश कराने में सक्षम नहीं थी और अब भी तकनीकी रूप से इसमें सक्षम नहीं है। लेकिन दिल्ली के लोगों को बरगलाने और दिवाली पर पटाखों की मंजूरी के लिए इसका प्रचार किया गया।

ऐसे खत्म हो रहा है केंद्रीय सूचना आयोग

सूचना के अधिकार कानून के तहत सरकार से जानकारी मांगने और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने के अभियान को कमजोर करने के लिए पिछले 11 साल से व्यवस्थित तरीके से केंद्रीय सूचना आयोग को खत्म किया जा रहा है। वैसे तो सभी राज्यों में सूचना आयोग खाली पड़े रहते हैं। सरकारें किसी न किसी बहाने सूचना आयुक्तों की नियुक्ति टालती रहती हैं। अगर मजबूरी में नियुक्ति करनी पड़ जाए तो सूचना अधिकार कार्यकर्ताओं या पत्रकारों की जगह रहते रिटायर अधिकारियों को भर दिया जाता है ताकि वे सरकार के हिसाब से काम कर सकें। लेकिन केंद्रीय सूचना आयोग का मामला सबसे अलग है। पिछले 11 साल में सातवीं बार ऐसा हुआ है कि केंद्रीय सूचना आयोग बिना मुखिया के पड़ा हुआ है। इस साल नौ सितंबर को मुख्य सूचना आयुक्त के पद से हीरालाल सामरिया के रिटायर होने के बाद से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली है। लेकिन ऐसा नहीं है कि बाकी सूचना आयुक्त हैं और केंद्रीय आयोग काम कर रहा है। कानून के मुताबिक केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के साथ 10 अन्य आयुक्त होने चाहिए। इनमें से आठ पद नवंबर 2023 से खाली हैं। अब आयोग सिर्फ दो आयुक्तों से काम कर रहा है। आयोग के सामने 26 हजार से ज्यादा सूचना के आवेदन लंबित हैं। एक आवेदन का निपटारा करने में एक-एक साल लग रहा है। ऐसा लग रहा है कि सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि इस आयोग को पंगु बना कर रखना है।

उपचुनाव में ओवैसी कांग्रेस के साथ!

कांग्रेस और दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियां, जहां तक संभव होता है कि एमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी से दूरी रखती हैं। बिहार में ओवैसी और उनकी पार्टी ने इस बात का जो तोड़ प्रयास किया कि महागठबंधन से तालमेल हो जाए। ओवैसी पांच सीटें लेकर भी महागठबंधन में लड़ने को तैयार थे। लेकिन महागठबंधन ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया। वजह थी कि अगर एक बार तालमेल कर लिया तो ओवैसी की पार्टी को भाजपा की बी टीम ठहराने का नैरेटिव हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। लेकिन वही ओवैसी अगर बिहार में महागठबंधन के उम्मीदवारों का समर्थन कर देते तो महागठबंधन की पार्टियां क्या करतीं ओवैसी ने कांग्रेस को ऐसी ही दुविधा में डाला है हैदराबाद में। गौरतलब है कि हैदराबाद एमआईएम का गढ़ है। वहीं से ओवैसी लगातार लोकसभा का चुनाव जीत रहे हैं। हैदराबाद की सभी छह विधानसभा सीटों पर भी उनकी पार्टी जीतती है। उसी हैदराबाद की शहर की जुबली हिल्स सीट पर उपचुनाव हो रहा है और अपना उम्मीदवार देने की बजाय ओवैसी ने कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन दिया है। ओवैसी का कहना है कि एक सीट की जीत हार से सरकार की सेहत पर फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन अगर वे कांग्रेस का साथ देते हैं तो भाजपा को हराया जा सकेगा। अब कांग्रेस को समझ में नहीं आ रहा है कि वह इस पर क्या करे कांग्रेस न तो उनका समर्थन स्वीकार कर सकती है और न ठुकरा सकती है। दोनों ही स्थितियों में ओवैसी बिहार के चुनाव में अपने को भाजपा विरोधी और सेकुलर ठहराने के लिए इस बात का इस्तेमाल करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने कदम ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पॉकेटफेज एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादस्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/80862)

भाजपा नेताओं के इशारे पर जबरदस्ती डॉ. उदित राज जी के सरकारी आवास का सामान सड़क पर फेंक दिया गया।

नई दिल्ली द्या(ए.के.चौधरी) रातभर सड़क पर गुज़ारने को मजबूर किए गए – लेकिन उन्होंने सिर नहीं झुकाया। यह दृश्य सिर्फ़ एक व्यक्ति की तक्लीफ़ नहीं, बल्कि दलित आवाज़ पर हो रहे अन्याय और उत्पीड़न की सच्ची तस्वीर है। इस अन्याय के खिलाफ़ डॉ. उदित राज जी ने पूरी रात सड़क पर गुज़ारी और उसी दौरान एक प्रेस वार्ता हुई। इस प्रेस वार्ता में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी श्री के. राजू, श्रीमती सीमा राज पूर्व प्रिंसिपल डायरेक्टर जनरल ऑफ़ इनकम टैक्स, कांग्रेस के एससी विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री राजेन्द्र पाल गौतम जी और राजस्थान से विधायिका श्रीमती अनिता जाटव जी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव जी सभी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने एक सुर में कहा कि यह कार्रवाई न सिर्फ़ बदले की भावना से प्रेरित है, बल्कि यह दलित नेताओं की आवाज़ को दबाने का प्रयास है।

डॉ. उदित राज जी ने कहा
मेरा घर छीना जा सकता है,
लेकिन मेरी आवाज़ नहीं।

जब तक देश में जातिगत अन्याय रहेगा, तब तक मैं सड़कों से भी लड़ाई जारी रखूँगा। यह घटना दिखाती है कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष के दलित नेताओं से डरते हैं और उनकी आवाज़ को कुचलने के लिए हर सीमा पार कर रहे हैं। परंतु यह संघर्ष अब एक व्यक्ति का नहीं, सामाजिक न्याय की लड़ाई का प्रतीक बन गया है।

छठ पर्व लोकआस्था ही नहीं, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक - गजाला लारी

देवरिया। समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य एवं रामपुर कारखाना की पूर्व विधायक फसीहा मंजर गजाला लारी ने प्रदेशवासियों को लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति की उस जीवंत परंपरा का प्रतीक है, जो मानव, प्रकृति और समाज को एक सूत्र में जोड़ता है। गजाला लारी ने कहा कि छठ केवल उपवास या अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन के अनुशासन, नारी शक्ति की सहनशीलता और पर्यावरणीय संतुलन का संदेश देने वाला पर्व है। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर और उदयमान सूर्य का स्वागत करते हुए समाज यह दर्शाता है कि अंधकार और प्रकाश दोनों में संतुलन ही जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि आज जब प्रदूषण और राजनीति दोनों ने समाज को विभाजित किया है, ऐसे में छठ पर्व हमें सिखाता है कि पवित्रता केवल जलाशय में नहीं, बल्कि विचारों में भी होनी चाहिए। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति आभार और समाज के प्रति संवेदनशीलता का बोध कराता है। गजाला लारी ने छठव्रतियों की आस्था को नमन करते हुए कहा कि यह पर्व मातृशक्ति के त्याग, अनुशासन और शक्ति का प्रमाण है। समाजवादी विचारधारा भी इसी भाव को मजबूत करती है जहाँ श्रम, सम्मान और समानता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि छठ का यह पर्व हर हृदय में सद्भाव, एकता और सशक्त समाज की नई किरण जलाए।

लग्जरी बस ने चाचा-भतीजे को रौंदा, घटना स्थल पर ही दोनों की मौत- लोगों ने एनएच किया जाम

कुशीनगर। तरयासुजान थाना क्षेत्र के सलेमगढ़ टोला प्लाजा पर रविवार की सुबह करीब नौ बजे से दिल्ली से बिहार की तरफ से जा रही लग्जरी बस ने बाइक सवार दो लोगों को ठोकर मार दिया। इससे गंभीर रूप से घायल बाइक सवार दोनों लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन स्थानीय लोगों के साथ टोल प्लाजा पर हंगामा करते हुए एनएच जाम कर दिया। सूचना पर आई पुलिस और तमकुहीराज एसडीएम ने लोगों ने समझाबुझाकर शांत कराया। जानकारी के मुताबिक बिहार प्रांत के गोपालपुर थाना क्षेत्र के सुखदेव पट्टी निवासी 20 वर्षीय अबरार अंसारी व उनके पट्टीदार के चाचा 50 वर्षीय आलीम अंसारी किसी कार्य से बाइक से सलेमगढ़ आ रहे थे।

पानी में डूब कर युवक की मौत

पडरौना, कुशीनगर।

कुशीनगर में छठ महापर्व की तैयारियों के बीच एक युवक की डूबने से मौत हो गई। यह घटना पडरौना नगर पालिका के राम धाम पोखरी में छठ घाट की सफाई के बाद शाम को हुई। मृतक की पहचान इम्तियाज उर्फ लल्लू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पोखरी को सफाई के लिए नाव का इस्तेमाल किया जा रहा था। इम्तियाज दिन में कुछ बच्चों के साथ पानी में उतरकर नाव के पास खेल रहा था। उसने अपना वीडियो भी बनवाया था। शाम को बिजली गुल होने के बाद उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में गिर गया। शुरुआत में लोगों को लगा कि वह नहाने के लिए कूदा है, जैसा कि वह दिन में कर रहा था। हालांकि, जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया, तो आसपास के लोगों को उसके डूबने का संदेह हुआ। उसे पानी से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पडरौना नगर के सभासद मोनू सिंह ने बताया कि मृतक इम्तियाज उर्फ लल्लू एक गरीब परिवार से था। वह अपने दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। उसकी शादी लगभग एक साल पहले हुई थी। परिवार एक छोटे से कमरे के घर में रहता है और उनके पास कोई जमीन नहीं है। इम्तियाज के पिता एक स्कूल बस में कंडक्टर का काम करते हैं, जबकि उसकी मां किसी स्कूल में साफ-सफाई का काम करती हैं। इम्तियाज स्वयं एक किराने की दुकान पर मजदूरी करता था। इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से छठ पर्व के दौरान घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

ईंट भट्ठा संचालकों को 30 सितंबर तक जमा करना होगा विनियमन शुल्क, जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

देवरिया। जनपद में ईंट भट्ठा सत्र 2025-26 एक अक्टूबर से शुरू हो गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने सभी ईंट भट्ठा स्वामियों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे शासन द्वारा निर्धारित विनियमन शुल्क अनिवार्य रूप से 01 अक्टूबर 2025 से 30 सितंबर 2026 की अवधि के लिए समय से जमा करें। जिलाधिकारी ने बताया कि भूतत्व एवं खनिकर्म अनुभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत यह शुल्क जमा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बिना विनियमन शुल्क जमा किए किसी भी भट्ठे का संचालन नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि जांच के दौरान यदि कोई ईंट भट्ठा बिना शुल्क जमा किए संचालित पाया गया, तो संबंधित भट्ठा स्वामी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी और ऐसे भट्ठों का संचालन तत्काल बंद करा दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को भी निर्देशित किया कि जनपद के सभी ईंट भट्ठों की नियमित जांच की जाए तथा अनधिकृत रूप से संचालित भट्ठों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उप निदेशक पंचायती राज ने किया अमृत सरोवर का निरीक्षण, छठ पर्व की तैयारियों का लिया जायजा

गोरखपुर। छठ महापर्व के दृष्टिगत रविवार को उप निदेशक पंचायती राज, गोरखपुर मंडल हिमांशु शेखर ठाकुर ने जंगल धुसड़ स्थित पंचायत भवन परिसर में निर्मित अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल पर साफ-सफाई, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उप निदेशक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि छठ पर्व के अवसर पर सरोवर परिसर की स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर न केवल ग्राम की पहचान है बल्कि सामुदायिक एकता और स्वच्छता का प्रतीक भी है, इसलिए इसे सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रखा जाना आवश्यक है। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह, ग्राम प्रधान राजेंद्र निषाद, सचिव वकील, सचिव अमित श्रीवास्तव, अखिलेश निषाद और रविंद्र निषाद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उप निदेशक ने ग्राम पंचायत टीम की तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन और ग्रामवासी मिलकर कार्य करें, ताकि यह पर्व शांति, स्वच्छता और श्रद्धा के माहौल में संपन्न हो सके।

छठ पर्व पर शहर में लागू रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन, भारी वाहनों की एंट्री रहेगी प्रतिबंधित

देवरिया। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जनपद प्रशासन ने सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रैफिक डायवर्जन योजना लागू की है। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में आज और कल शहर क्षेत्र में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। निर्धारित योजना के तहत आज सोमवार सुबह 8:30 बजे से रात 9:00 बजे तक तथा मंगलवार को रात 2:00 बजे से रात 9:00 बजे तक भारी वाहनों जैसे ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली, बड़ी बसें, मिक्सर, गैस सिलेंडर व डीजल-पेट्रोल टैंकर आदि का आवागमन शहर में प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस प्रशासन द्वारा जारी यातायात योजना के अनुसार सलेमपुर, कसया और गोरखपुर मार्गों से आने वाले भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया जाएगा। सलेमपुर की दिशा से आने वाले वाहनों को सोनूघाट चौराहा से पिपरपाती नहर मार्ग होते हुए घनौती तिराहा और दूसरी तिराहा की ओर भेजा जाएगा। इसी प्रकार रुद्रपुर मोड़ तिराहे पर भी वाहनों को कतरारी चौराहा, अमेठी तिराहा और रामलखन मार्ग से उनके गंतव्य की ओर डायवर्ट किया जाएगा। गोरखपुर मार्ग से आने वाले भारी वाहनों को पूरवा तिराहे से पाण्डेयचक्क मार्ग की ओर मोड़ जाएगा, जबकि जो वाहन गोरखपुर ओवरब्रिज के उत्तरी छोर तक पहुँच जाएंगे, उन्हें पुनः पूरवा चौराहा की ओर लौटाया जाएगा। कसया मार्ग से आने वाले वाहनों को घनौती तिराहा और घनौती तिराहा से पिपरपाती चौराहा व सोनूघाट मार्ग की ओर भेजा जाएगा। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने बताया कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और घाटों के आसपास यातायात के दबाव को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे निर्धारित मार्गों का पालन करें और पुलिस की सहायता करें ताकि पर्व के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या जाम की स्थिति न उत्पन्न हो। एसपी ने यह भी निर्देश दिया कि यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए संबंधित थानाध्यक्षों और ट्रैफिक पुलिस को मुस्तैद रखा जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा और शहर में निर्बाध यातायात सुनिश्चित करना है।

युवक की गोवा शिपयार्ड विस्फोट में मौत

नेबुआ नौरंगिया, कुशीनगर।

गोवा के एक शिपयार्ड में 17 अक्टूबर की शाम वेल्डिंगके दौरान हुए विस्फोट में झुलसे कुशीनगर निवासी मजदूर अभिषेक पासवान (25) की इलाज के दौरानमौत हो गई। अभिषेक खड्डा थाना क्षेत्र के मदनपुरसुकरौली गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है किजहाज निर्माण केंद्र के एक बंद कक्ष में वाष्प शौत गैसजमा हो जाने से अचानक विस्फोट हो गया।हादसे में अभिषेक के साथ काम कर रहे कई अन्य मजदूर भी घायल हुए थे। सभी को गोवा मेडिकलकॉलेज में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने अभिषेकको बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन गंभीर जलनऔर आंतरिक चोटों के चलते बीते देर शाम उनकी मौत हो गई।

17 अक्टूबर को हुए विस्फोट में झुलस गया था युवक, वेल्डिंग के दौरान हुआ था हादसा

गांव में पसरा मातम, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल अस्पताल प्रशासन ने अभिषेक की मौत की सूचना गोवा पुलिस को दी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आगेकी जांच शुरू कर दी है। अभिषेक अपने पिता गिरीश पासवान के छह बेटों में सबसे छोटे थे और अभी उनकीशादी नहीं हुई थी। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक का माहौल है।

छठ की तैयारी अंतिम चरण में, बाजारों में उमड़ी भीड़ – पूजा सामग्री की खरीदारी को लेकर रहा जबरदस्त उत्साह

पडरौना (कुशीनगर)। लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। सूर्योपासना के इस पावन पर्व को लेकर नगर और आसपास के इलाकों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। रविवार को पूजा सामग्री की खरीदारी के लिए बाजारों में महिलाओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर ओर आस्था और भक्ति का माहौल नजर आया। शहर के प्रमुख बाजार – स्टेशन रोड, गुदरी बाजार, अंबे चौक, राजदरबार रोड, तिलक चौक, बेलवा चुंगी और साहबगंज – में सुबह से ही रौनक देखने को मिली। दुकानों पर सूप-डाला, नारियल, गन्ना, ठेकुआ बनाने की सामग्री, फल-फूल, वस्त्र और दीपक की जमकर खरीदारी होती रही। महिलाएं छठ मैया के प्रसाद की तैयारी में जुटी रहीं। पर्व की शुरुआत शनिवार को नहाय-खाय के साथ हुई, जिसमें व्रती महिलाओं ने स्नान के बाद सात्विक भोजन किया। रविवार को श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान के साथ खरना संपन्न किया। खरना के अवसर पर घरों में गुड़ की खीर, रोटी और फल से अर्घ्य अर्पित कर छठ मैया से आशीर्वाद मांगा गया। नगर पालिका और प्रशासन की ओर से स्थानीय घाटों – बावली चौक, बुढ़िया माई मंदिर,रामघाट, राजघाट, और कसया रोड स्थित छठ घाट – पर साफ-सफाई और सजावट का कार्य जारी है। प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग

और सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक चिकित्सा शिविर लगाने की भी तैयारी की गई है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में सोमवार को संध्या अर्घ्य और मंगलवार को प्रातः अर्घ्य अर्पित किया जाएगा, जिसके साथ महापर्व का समापन होगा। श्रद्धालु परिवार सहित घाटों पर पहुंचकर सूर्य देव को अर्घ्य देने की तैयारी कर रहे हैं। समापन में, छठ की तैयारियों ने पूरे पडरौना नगर को उत्सवमय बना दिया है। बाजारों की रौनक, घाटों की सजावट और श्रद्धालुओं की उमंग ने जनपद को पूरी तरह छठमय कर दिया है।

ग्रामीणों ने किया छठ घाट व रास्ते की सफाई

दुदही, कुशीनगर।

छठ पर्व को देखते हुए रविवार को दुदही ब्लॉक के ग्राम सभा मठिया के सैकड़ों ग्रामीणों ने मिलकर छठ घाट व वहां जाने वाले रास्तों की सफाई अभियान चलाया। ग्रामीणों ने झाड़ू लगाकर, कचरा हटाकर और गड्ढों को पाटकर घाट को स्वच्छ व सुगम बनाया। सफाई अभियान में युवाओं और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी सामूहिक सहयोग से छठ घाट को साफ-सफाई की गई ताकि श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान अखिलेश जायसवाल, दीपक सिंह ,सुनील चौरसिया, योगेश शर्मा, मनोज पटेल, मार्कंडे कुशवाहा, मनोज पटेल, अनिल पांडेय, अनीश राय ,विकास प्रसाद, जिऊत पटेल, संदीप, बिट्टू, दीपक, विकास राय,अंगद,जोंद, आदित्य आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बस नें बाइक सवार चाचा भतीजे को रौंदा, हुई मौत

तमकुही राज,कुशीनगर।

कुशीनगर में टोल प्लाजा से स्पीड में निकली बस ने बाइक सवार चाचा-भतीजे को रौंद दिया। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। बस का पहिया चाचा के सिर के ऊपर से निकल गया। सिर फट गया। जबकि भतीजे के हाथ-पैर चकनाचूर हो गए। घटना जिले के तरयासुजान थाना क्षेत्र के सलेमगढ़ टोल प्लाजा पर रविवार सुबह 9:30 बजे की है। बस दिल्ली से सुपौल (बिहार) जा रही थी। हादसे का सीसीटीवी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि टोल प्लाजा के साइड से चाचा-भतीजे बाइक से निकल रहे थे। तभी तेज रफ्तार में आ रही स्लीपर बस ने पीछे से टक्कर मार दी। फिर दोनों पहिए के नीचे आ गए। बस ने टोल के स्टाफ को भी टक्कर मार दिया। मृतकों की पहचान बिहार के गोपालगंज जिले के गोपालपुर के शुकदेव पट्टी गांव निवासी अली मियां (50 वर्ष) और अबरार अंसारी (20 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों कुशीनगर से अपनी रिश्तेदारी से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। परिवहन विभाग की साइट के मुताबिक बस का इंश्योरेंस और टैक्स जमा नहीं है। बस 2 साल 11 महीने पुरानी है। बस बिहार नंबर (बीआर28 पी3280) की है।

अब समझिए क्यों हुआ हादसा...
टोल प्लाजा की एक लेन पर कोई बैरियर नहीं है। यहां से रोजाना चलने वाली बसें और अफसरों की गाड़ियां निकलती हैं। यहीं से बाइकें भी निकलती हैं। रविवार को बस तेज रफ्तार से निकली और आगे जा रहे बाइक सवारों को कुचल दिया।

ग्रामीणों का आक्रोश और सड़क जाम
हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने शवों को सड़क पर रखकर जाम लगाया और हंगामा किया। ग्रामीणों का आरोप है कि सलेमगढ़ टोल प्लाजा पर तेज रफ्तार और ओवरलोडेड बसों की लापरवाही बार-बार हादसे का कारण बन रही है। दीवाली से अब तक यह एनएच-28 पर तीसरी बड़ी दुर्घटना है। आसपास के ग्रामीणों ने परिजन से मिलकर हाईवे जाम कर दिया। अफसरों ने समझाया, तब जाकर जाम खोला।

डेढ़ घंटे तक हंगामा होता रहा
हादसे के बाद ड्राइवर बस से कूदकर फरार हो गया। बस आगे जाकर एक खड़े ट्रक से भिड़ गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बस की गति कम होने से कोई यात्री हताहत नहीं हुआ। इस घटना पर लोग आक्रोशित हो गए। डेढ़ घंटे तक हंगामा होता रहा। सूचना पाकर एडीएम तमकुहीराज मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को समझाया और आश्वासन दिया कि लग्जरी बसों की ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त किया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। ग्रामीणों ने लग्जरी बसों की ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार चलाने के मामलों में कुशीनगर यातायात, टोल प्लाजा प्राधिकरण और बस संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

युवकों के दो गुटों में मारपीट, चाकूबाजी में एक गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

नेबुआ नौरंगिया कुशीनगर। हनुमानगंज थाना क्षेत्र के रामपुर जंगल गांव में शाम को दो युवकों की गुटबाजी केदौरान जमकर मारपीट हो गई, आरोप है कि एक युवक ने दूसरे गांव से आए युवक को लोहे की राड़ एवं पेट मेंकिसी नुकीली हथियार से मारपीट कर घायल कर दिया,जिसे ग्रामीण चाकू मारने की बात बता रहे हैं हनुमानगंज थाना क्षेत्र के रामपुर जंगल गांव में युवकों केदो गुटों के बीच गांव के एक चाय की दुकान पर जमकर मारपीट हो गई। झगड़े में लोहे की राड़ और किसी नुकिले हथियार से एक युवक के पेट में गम्भीर रूप से मारने की बात सामने आ रही है। मामला युवकों के आपस में पुरानी रंजिश को लेकर होना बताया जा रहा है। सायं मलहिया गांव निवासी रंजीत गौंड पुत्र सुभाष 28 वर्ष बाइक से एक अन्य युवक के साथ रामपुर जंगल गांव में चाय पीने आया था, वहीं दूसरे गुट केशिवानंद विश्वकर्मा पुत्र जयचन्द 26 वर्ष से तकरार एवं गाली गलौज होने लगी, इसके बाद दोनों अपना आपा खोबैठे और मारपीट व चाकूबाजी में रंजीत गम्भीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुंची हनुमानगंज पुलिस ने घायल रंजीत को एम्बुलेंस की सहायता से सीएचसी तुर्कहां इलाज के लिए भरती कराया जहां चिकित्सक नेगम्भीर स्थिति देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।वहीं पुलिस हर पहलुओं पर जांच एवं कार्यवाही में जुटी हुई है।

कपिल मिश्रा ने छठ घाट का किया दौरा, कहा- हमने कभी दावा नहीं किया कि यमुना साफ हैं, लेकिन पूजा की जा सकती

नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने रविवार को आठन प्लाजा और वासुदेव घाट के पास घाट पर चल रही छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लिया, जहां श्रद्धालु छठ पूजा के दूसरे दिन खरना मना रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी यह दावा नहीं किया कि यमुना साफ है या उसका पानी पीने योग्य है, लेकिन छठ पूजा तो की जा सकती है। उधर, मंत्री प्रवेश वर्मा के अलावा अन्य भाजपा नेताओं ने अपने क्षेत्र के छठ घाटों का दौरा किया। वासुदेव घाट के दौरे के दौरान समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, हम यहां छठ पूजा की तैयारी की समीक्षा करने आए हैं। दिल्ली सरकार ने भव्य छठ उत्सव की तैयारी की है। पिछली सरकार ने यमुना घाट पर छठ पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन इस बार यमुना घाट पर छठ पूजा की जाएगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं अरविंद केजरीवाल से पूर्वांचल के लोगों पर दर्ज किए गए मुकदमों के बारे में पूछना चाहता हूं, उन्होंने पूजा-अर्चना पर रोक लगा दी थी। उन्होंने ऐसा क्यों किया इस बार पूजा इतनी अच्छी तरह से कैसे हो रही है उधर, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने छठ घाटों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया और नांगलोई जाट और निहाल विहार में लोगों से बातचीत की। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा, पूरे दिल्ली में अभूतपूर्व योजना छठ के लिए बनाई गई है। हर जिले में मॉडल घाट बनाए जा रहे हैं।

ये इस क्षेत्र का सबसे बड़ा घाट है। हम हर साल इसकी भव्यता बढ़ाने का काम करेंगे और इस बार पीएम मोदी भी हमारे साथ दिल्ली में छठ मनाएंगे। हम अपनी तरफ से बहुत अच्छी तैयारी किए हुए हैं, पहले यमुना घाट पर छठ नहीं मनाया जाता था, इस बार यहां पर करीब 20 छठ घाट बनाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आगामी छठ पर्व के लिए व्यापक और भव्य तैयारियां जोरों पर हैं। जहां इस वर्ष यमुना किनारे 17 प्रमुख घाटों सहित 1,300 से अधिक घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने आज नरेला में छठ पूजा घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार छठ पूजा के लिए व्यापक व्यवस्था कर रही है। समिति के सदस्य हमें बता रहे हैं कि इस बार तैयारियों का स्तर अभूतपूर्व है... प्रशासन और दिल्ली सरकार छठ पर्व मनाने वाले पूर्वांचल के हमारे भाइयों और बहनों के लिए सभी व्यवस्थाएं कर रही हैं। कला, संस्कृति और मंत्री कपिल मिश्रा ने भी शनिवार को शहर भर के छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सरकार इस वर्ष की छठ पूजा को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पानी की आपूर्ति, टेंट और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के छठी मैया को अर्घ्य दे सकें। निरीक्षण के दौरान मिश्रा ने अधिकारियों, स्थानीय प्रतिनिधियों और स्वयंसेवकों से बातचीत की और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्सव को सुचारु रूप से मनाने के लिए सभी टीमें चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। मंत्री कपिल मिश्रा ने इस बात पर भी जोर दिया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राजधानी के हर हिस्से में छठ समारोहों के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। उन्होंने कहा, कई वर्षों तक, पूर्वांचल समुदाय के लोगों को यमुना किनारे छठ पूजा करने की अनुमति नहीं थी, जो उनकी आस्था के साथ अन्याय था। अब दिल्ली सरकार हर जगह छठ समारोहों के लिए व्यवस्थाएं कर रही है।

कोरापुट कॉफी सचमुच स्वादिष्ट, ओडिशा का गौरव है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कोरापुट की कॉफी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह गर्म पेय पदार्थ वास्तव में स्वादिष्ट है और ओडिशा का गौरव है। मोदी ने मन की बात में कहा, चाय के साथ मेरा जुड़ाव तो आप सभी जानते ही हैं, लेकिन आज मैंने सोचा कि 'मन की बात' में क्यों न कॉफी पर चर्चा की जाए। आपको याद होगा, बीते साल मैंने 'मन की बात' में अराकू कॉफी पर बात की थी। मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले ओडिशा के कई लोगों ने उनसे कोरापुट कॉफी को लेकर भी अपनी भावनाएं साझा की थीं। उन्होंने कहा कि लोगों ने उन्हें पत्र लिखकर कहा कि 'मन की बात' में कोरापुट कॉफी पर भी चर्चा की जाए। प्रधानमंत्री ने कहा,मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद गजब होता है, और इतना ही नहीं, स्वाद तो स्वाद, कॉफी की खेती भी लोगों को फायदा पहुंचा रही है उन्होंने कहा कि कोरापुट में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपने जुनून की वजह से कॉफी की खेती कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि ये लोग अच्छी-खासी नौकरी करते थे, लेकिन वो कॉफी को इतना पसंद करते हैं कि इस क्षेत्र में लग गए और अब सफलता से इसमें काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसी कई महिलाएं भी हैं, जिनके जीवन में कॉफी से सुखद बदलाव हुआ है। कॉफी से उन्हें सम्मान और समृद्धि, दोनों हासिल हुई है। सच ही कहा गया है –कोरापुट कॉफी अत्यंत सुस्वादु। एहा ओडिशार गौरव। उन्होंने कहा कि भारतीय कॉफी दुनिया भर में बहुत लोकप्रिय हो रही है, और कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल जैसे राज्यों का जिक्र किया जहां कॉफी की खेती की जाती है। मोदी ने कहा, भारतीय कॉफी की विविधता वाकई अद्भुत है।

दिल्ली पुलिस ने 66,000 से अधिक आयातित सिगरेट जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तस्करी कर लाई गई सिगरेट बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के पास से 66,400 अंतरराष्ट्रीय सिगरेट बरामद की गई हैं जिनकी कीमत करीब 12 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि बेची जा रही इन सिगरेट पर स्वास्थ्य चेतावनी भी नहीं लिखी हुई थी। उन्होंने बताया, ''आरोपियों की पहचान पानीपत निवासी परवीन सहगल (37) और दिल्ली निवासी मुकेश खटरेजा (48) के रूप में हुई है। टीम को 25 अक्टूबर को सूचना मिली कि प्रह्लादपुर इलाके में पालम फ्लाईओवर के पास प्रतिबंधित सिगरेट की एक बड़ी खेप पहुंचाई जानी है। अधिकारी ने बताया कि जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से तस्करी कर लाई गई सिगरेट से भरे 332 'डंडे' (प्रत्येक में 10 पैकेट) के चार बैग बरामद किए गए हैं। इन पैकेटों पर सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) के तहत अनिवार्य स्वास्थ्य चेतावनियां नहीं थीं। जिसके कारण भारत में इनकी बिक्री या वितरण अवैध है। पूछताछ के दौरान पता चला कि दोनों कंबोडिया से सिगरेट की तस्करी कर दिल्ली और आसपास के इलाकों में इसे बेचते थे। मामले में जांच जारी है।

दिल्ली के कुख्यात गला घोंटू गैंग का सदस्य पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, डिलीवरी ब्वॉय से लूट के बाद चल रहा था फरार

नई दिल्ली। दिल्ली के कुख्यात गला घोंटू गैंग का एक सदस्य हिमांशु शनिवार रात बदरपुर फ्लाईओवर पार्क के पास पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने के बाद पकड़ा गया। उसके पास से .32 बोर पिस्टल और कारतूस मिले। हिमांशु पुल प्रह्लादपुर में बुधवार को एक फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव की लूट के मामले में वांछित था। सीसीटीवी में वह और उसका साथी स्कूटर सवार को गला घोंटकर लूटते और भागते दिखे। पीड़ित ने रोकने की कोशिश की, मगर नाकाम रहा। पहले भी उसके खिलाफ अपहरण और लूट के केस दर्ज हैं। घटना के बाद दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने स्थानीय थाने के एसएचओ को निलंबन के दायरे में रखा। ये गैंग दो-दो की जोड़ी में बाइक पर सवार होकर पीड़ितों के पीछे से आता है, गला दबाकर बेहोश कर देता है और फिर सामान लूटकर फरार हो जाता है।

पीएम मोदी के लिए बनाई जा रही नकली यमुना -आप का दावा- वासुदेव घाट पर फिल्टर पानी का फर्जीवाड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली में छठ पूजा से ठीक पहले यमुना नदी की सफाई को लेकर आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच सियासी जंग तेज हो गई है।

रविवार को आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक वीडियो शेयर कर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने दावा किया कि रेखा गुप्ता सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए नकली यमुना बना रही है, जिसमें वजीराबाद से साफ पानी की पाइपलाइन के जरिए चोरी का पानी डाला जा रहा है। बीजेपी ने इसे फर्जीवाड़ा बताते हुए खारिज कर दिया और ,क पर हार की हताशा में पूर्वांचलियों की भावनाओं से खिलवाड़ का आरोप लगाया। सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में वासुदेव घाट पर बने कथित फर्जी घाट का वीडियो दिखाते हुए कहा, हमें मालूम है कि बिहार चुनावों के चलते छठ के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वासुदेव घाट पर डुबकी लगाने जाएंगे। पूर्वांचली वोटरों को लुभाने के लिए यह ड्रामा रचा जा रहा है। लेकिन असल यमुना प्रदूषित और मल-युक्त है, इसलिए पीने के साफ पानी की पाइपलाइन से नकली

घाट बनाया गया है।

फर्जीवाड़े के सभी रिकॉर्ड टूटे

उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, फर्जीवाड़े के सभी रिकॉर्ड टूट गए।

पीएम के लिए फिल्टर पानी वाली नकली यमुना बनाई गई है, जबकि दिल्ली के गरीब पूर्वांचलियों के लिए प्रदूषित मल-युक्त यमुना बह रही है। बीजेपी सरकार को इनकी फिक्र नहीं। भारद्वाज ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यमुना का पानी नहाने लायक भी नहीं है, पीने तो दूर की बात। उन्होंने तंज कसते हुए बोला, कल को ये कह सकते हैं कि मल अच्छा है, पौष्टिक है, इसलिए मिलाया गया। भारद्वाज ने बीजेपी के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा, एक झूठ छिपाने के लिए 100 झूठ बोलने पड़ते हैं। बीजेपी ने खुद सर्टिफिकेट दिया कि एक साल में यमुना साफ कर दी। हमने कभी ऐसा दावा नहीं किया। उन्होंने सिर्फ केमिकल डालकर झाग हटाया, जो हमारी सरकार के समय वे विरोध करते थे। मंत्री प्रवेश वर्मा का विभाग वही केमिकल डाल रहा है। तमाम हथकंडे के बावजूद यमुना साफ नहीं हुई।

बीजेपी का पलटवार- खोदा पहाड़, निकली चूहिया

आप के आरोपों पर बीजेपी ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। पार्टी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर तंज कसा, मैंने सुबह ही कह दिया था कि आप कोई एक्सपोज नहीं कर पाएगी और वही हुआ।

सौरभ भारद्वाज की प्रेस कॉन्फ्रेंस कुछ ऐसी थी कि खोदा पहाड़ निकली चुहिया - वो भी मरी हुई। कपूर ने आगे लिखा, भाई सौरभ, हार की हताशा में इतना बौखला गए हो कि अब छठी मैया के पूजन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का विरोध करने तक उतर आए हो।

10 साल सत्ता में रहकर आप ने यमुना घाट पर पूर्वांचलियों की छठ पूजा पर रोक लगाई, अब जब बीजेपी और रेखा गुप्ता सरकार स्वच्छ साफ पूजा स्थल विकसित कर रही है तो राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हो। शर्म करो। बीजेपी नेताओं का कहना है कि सरकार ने पर्यावरण-अनुकूल केमिकल्स से झाग कम किया है और 17 मॉडल घाट बनाए हैं, जहां 1,000 से अधिक स्थानों पर छठ पूजा होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाल ही में कालिंदी कुंज घाट का निरीक्षण कर दावा किया था कि महिलाएं स्वच्छ वातावरण में पूजा कर सकेंगी।

दिल्ली में सर्दी के साथ प्रदूषण की दोहरी मार, 400 के पार पहुंचा एक्यूआई, कई इलाकों में रेड अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में अब मौसम पहले से ज्यादा सर्द होने लगा है. दिन के समय में धूप तो निकल रही है लेकिन स्मॉग की वजह से उसका खास असर नहीं है. रात में अब ठीकठाक सर्दी पड़ रही है. शनिवार की रात न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया. दिल्ली में आज भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान जताया गया. नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम समेत आसपास के तमाम इलाकों में रातें अब और ठंडी होने लगी हैं और लोग सुबह के समय गर्म कपड़े पहनने लगे हैं. रविवार सुबह भी कई इलाकों में धुंध और छिछला कोहरा देखने को मिला. दिल्ली-एनसीआर में सर्दी बढ़ने के साथ ही हवा में प्रदूषण की मात्रा भी बढ़ती जा रही है. लोगों को अब सांस लेना मुश्किल हो गया है. आनंद विहार की हालत सबसे ज्यादा खराब है रविवार सुबह यहां हवा में प्रदूषण का स्तर 400 के पार चला गया जो बेहद गंभीर स्थिति की श्रेणी में आता है. यहां पर स्थिति तो दम घुटने जैसी हो गई है. दिन में आज अधिकतम तापमान 21 और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है. सोमवार से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा. हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है जिसकी वजह से सोमवार 27 अक्टूबर को दिल्ली में बारिश हो सकती है, जो 28 अक्टूबर को भी जारी रहेगी. ऐसे में छठ के त्योहार पर लोगों को परेशानी हो सकती है. राजधानी के लोग अब सर्दी और प्रदूषण की दोहरी मार से जूझ रहे हैं. हवा में प्रदूषण के जहर ने अब पैर पसारने शुरू कर दिए हैं. रविवार को दिल्ली के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर बेहद गंभीर स्थिति में पहुंचा गया. प्रदूषण बढ़ने की वजह से लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कतें होने लगी हैं. बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने ग्रेप-2 लागू कर दिया है. रविवार सुबह आठ बजे आनंद विहार में हवा में प्रदूषण का स्तर 430, वजीरपुर 403, विवेक विहार 371, जहांगीरपुरी 370, चांदनी चौक 376, रोहिणी 362, बुराड़ी 344, नरेला 338, सोनिया विहार 330, ओखला 324, आरके पुरम, 324, लोदी रोड 290 रिकॉर्ड किया गया.

स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन होनी चाहिए : मुर्मू

गाजियाबाद ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में स्थित एक निजी अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, मैं मानती हूं कि स्वास्थ्य उत्तरदायित्व के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना स्वास्थ्य संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने 'यशोदा मेडिसिटी अस्पताल के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा, स्वास्थ्य सेवा के जरिये आप लोग देश सेवा कर रहे हैं, इसके लिए आप सबकी सराहना करती हूं।

स्वस्थ भारत और विकसित भारत के क्षेत्र में अहम योगदान

यशोदा अस्पताल ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को अपनाया है। मुर्मू ने कहा, मुझे बताया

राष्ट्रपति ने गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी परियोजना की शुरुआत की

गया कि कोविड महामारी के दौरान यशोदा अस्पताल द्वारा बड़ी संख्या में लोगों का उपचार किया गया। राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान में बड़ी संख्या में रोगियों की देखभाल की जाती है। यह संस्था जनजाति आबादी वाले क्षेत्रों में होने वाली समस्या के समाधान के बारे में सोचती है। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे प्रसन्नता है कि इस संस्थान द्वारा समाज सेवा और राष्ट्र सेवा के आदर्शों को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और चिकित्सा से जुड़े आधारभूत ढांचे का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। यह स्वस्थ भारत और विकसित भारत के क्षेत्र में अहम योगदान है। मुर्मू ने कहा, ''देश में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में यह

महत्वपूर्ण योगदान है और यह प्रयास होना चाहिए के स्वास्थ्य व चिकित्सा से कोई देशवासी वंचित ना रहे। निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाएं इस क्षेत्र में अमूल्य योगदान दे सकती है। संस्था के प्रबंध निदेशक डॉक्टर पीएन अरोड़ा द्वारा अपनी मां के नाम पर 'यशोदा मेडिसिटी अस्पताल खोलने के कदम की मुर्मू ने सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वदेशी की भावना के साथ चिकित्सा अनुसंधान पर विशेष बल देकर 'यशोदा मेडिसिटी अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रभावी प्रयास किये जाएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस संस्था में कैंसर उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं मिलेंगी।

एक छत के नीचे समग्र उपचार की व्यवस्था मिला

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें पहली बार एक छत के नीचे समग्र उपचार की व्यवस्था देखने का मौका मिला। समारोह को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी संबोधित किया। 'यशोदा मेडिसिटी अस्पताल के उद्घाटन के मौके पर राष्ट्रपति के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहीं।

स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला है। यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ''हम उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था, जो शक्तिशाली और स्वस्थ हो।'' उन्होंने कहा, ''हमारा हर कदम, हर नीति, हर प्रयास देश के गरीब, वंचित और ग्रामीण जनमानस को समर्पित है। हम मानते हैं कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा।'' सिंह ने कहा, ''हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है।'' रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी के लिए गौरव की बात है कि इसे दक्षिण एशिया में रोबोटिक्स सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता मिली है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से मेडिकल प्रशिक्षण और तकनीकी अनुसंधान को नई दिशा देगी। उन्होंने अस्पताल के एमडी डॉ. पी एन अरोड़ा के संदर्भ में कहा, ''हम जब भी किसी सफल इंसान की कहानी पढ़ते हैं, आपको यही देखने को मिलेगा कि हर बड़ी यात्रा की शुरुआत किसी न किसी बड़ी व्यक्तिगत पीड़ा से निकलती है। यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. पी एन अरोड़ा ने 1986 में अपनी माता को कैंसर की वजह से मृत्युशैया पर देखा, उनकी इसी पीड़ा ने यशोदा मेडिसिटी को जन्म दिया।

अब उप्र के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली में नहीं भटकना होगा: योगी

गाजियाबाद ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अब राज्य के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली में नहीं भटकना पड़ेगा। गाजियाबाद में रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा एक निजी अस्पताल के लोकार्पण किए जाने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नयी ऊंचाइयों को छू रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद में स्थापित यशोदा मेडिसिटी इसका सशक्त उदाहरण है और यह केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा की एक नयी परिभाषा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से न केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के नागरिकों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे प्राप्त होंगी। योगी ने

कहा कि प्रदेश के लोगों को अब दिल्ली में महंगे इलाज के लिए भटकने की जरूरत नहीं, क्योंकि गाजियाबाद में ही विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में जब उत्तर प्रदेश में तृतीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित हुई थी, उस समय डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एमओयू किया था कि गाजियाबाद में अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण करेंगे। इसमें सभी प्रकार की सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं होंगी और विशेष रूप से कैंसर की अत्याधुनिक सुविधा भी, जिसके लिए पहले लोगों को विदेश जाना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब यह विश्वास नहीं होता था

अस्पताल हीं नहीं ये विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा की एक नयी परिभाषा है

कि इतनी जल्दी यह संभव होगा, लेकिन डॉक्टर पी.एन. अरोड़ा, डॉक्टर उपासना अरोड़ा और उनकी पूरी टीम ने मात्र तीन वर्षों में इसे साकार कर दिखाया। योगी ने कहा कि यह निवेश भी है और 5000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार का माध्यम भी है। योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि दो एम्स (गोरखपुर और रायबरेली) सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिले।

ऑपरेशन सिंदूर और नक्सलवाद के खात्मे ने त्योहारों की रौनक बढ़ायी : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं और कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और माओवादी समस्या के उन्मूलन के लिए उठाये गए कदमों के कारण इस वर्ष त्योहारों की रौनक पहले से ज्यादा हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो संबोधन 'मन की बात के 127वें संस्करण में कहा कि छठ पूजा भक्ति, स्नेह और परंपरा का संगम है और यह भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। मोदी ने कहा, ''छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। उन्होंने कहा, ''ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। आप देश और दुनिया के किसी भी कोने में हो, यदि मौका मिले, तो छठ उत्सव में जरूर हिस्सा लें। उन्होंने

त्योहारों के इस अवसर पर नागरिकों को लिखे अपने पत्र को याद करते हुए कहा कि देश की उपलब्धियों से इस बार त्योहारों की रौनक पहले से ज्यादा हो गई है।

उन्होंने कहा, '' 'ऑपरेशन सिंदूर ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है। इस बार उन इलाकों में भी खुशियों के दीप जलाए गए जहां कभी माओवादी आतंक का अंधेरा छाया रहता था। लोग उस माओवादी आतंक का जड़ से खात्मा चाहते हैं जिसने उनके बच्चों का भविष्य संकट में डाल दिया था। मोदी ने कोमरम भीम के साहस की भी सराहना की, जिन्होंने हैदराबाद के निजाम के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और क्षेत्र में किसानों की फसलों को जब्त करने के लिए उनके द्वारा भेजे गए एक अधिकारी को मार डाला था। उन्होंने कहा, ''साथियों, उस दौर में जब निजाम के खिलाफ एक शब्द बोलना भी गुनाह था। उस नौजवान ने सिद्दीकी नाम के निजाम के एक अधिकारी को खुली चुनौती दे दी थी। निजाम ने सिद्दीकी को किसानों की फसलें जब्त करने के लिए भेजा था। लेकिन अत्याचार के खिलाफ इस संघर्ष में उस नौजवान ने सिद्दीकी को मौत के घाट उतार दिया। मोदी ने कहा कि भीम गिरफ्तारी से बच निकलने में भी कामयाब रहे और निजाम की अत्याचारी पुलिस से बचते हुए सैकड़ों किलोमीटर दूर असम जा पहुंचे। उन्होंने कहा कि कोमरम भीम की आयु बहुत लंबी नहीं रही, वे महज 40 वर्ष ही जीवित रहे लेकिन अपने जीवन-काल में उन्होंने अनगिनत लोगों, विशेषकर आदिवासी समाज के हृदय में अमिट छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 नवंबर को राष्ट्र भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) मनाएगा। उन्होंने कहा, ''भगवान बिरसा मुंडा जी और कोमरम भीम जी की तरह ही हमारे आदिवासी समुदायों में कई और विभूतियां हुई हैं।

कर्नाटक के बीदर में लगे भूकंप के झटके

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, रविवार सुबह बीदर जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 2.9 रही। भूकंप सुबह 3.42 बजे आया, जिसका केंद्र चित्तगुप्पा तालुक के भास्करनगर गांव से 2.4 किमी उत्तर-पश्चिम में 5 किमी की गहराई पर था। KSNDMC ने बताया कि भूकंप की तीव्रता कम थी, और झटके 30 से 40 किमी के दायरे में महसूस किए गए होंगे। यह भूकंप सिस्मिक जोन-2 में आया, जहां नुकसान की संभावना बहुत कम होती है। भूकंप में किसी नुकसान की खबर नहीं है।